शैक्षिक सत्र–2026–27

विषय–पालि

कक्षा–10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा। पूर्णांक 100

1–गद्य–पालि–जातकावलि पाठ 8 से 14 तक–(करंगमिगजातकं, जवसकुणजातकं, ससजातकं, मतकभत्तजातकं, बावेरूजातकं, बलाहस्सजातकं, सुप्पारकजातकं)। **15**

(क) दो अवतरणों में से किसी एक अवतरण का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद 2+8=10

(ख) किन्हीं दो जातकों में से किसी एक जातक की कथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में 05

2–पद्य–धम्मपद– पाठ 6 से 10 तक –(पण्डितवग्गो, अरहन्तवग्गो, सहस्सवग्गो, पापवग्गो, दण्डवग्गो)। **15**

(क) दो गाथाओं में से किसी एक गाथा का हिन्दी अनुवाद 05

(ख) दो वग्गो में से किसी एक वग्गो का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में सारांश 05

(ग) धम्मपद का पाठ 6 से 10 के अतवर्ती गाथा का लेखन जो प्रश्न–पत्र में न आया हो 05

3–अपठित–गद्य–निर्धारित पाठ

(वेदब्भजातकं, राजोवादजातकं) **05**

मखादेव–जातकं

4–सिगालवादसुत्तं **10**

क) दो अवतरणों या गाथाओं में से किसी एक का हिन्दी अनुवाद 05

(ख) सिगालवादसुत्तं–की विषयवस्तु, निदान कथा, मित्र के गुण 05

अमित्र के लक्षण आदि पर आधारित सामान्य प्रश्न

5–व्याकरण 3+2+5+5=15

(क) शब्द रूप–पुल्लिंग – मुनि, भिक्खु

स्त्रीलिंग – लता, इत्थि

नपुंसक लिंग – आयु, पोत्थक

(ख) धातु रूप–भविष्यत् काल, लोट लकार

भू, हस, वद, चज, दिस, नम, सर के रूप

(ग) संधि–व्यंजन सन्धि

व्यंजने दीघरस्सा, सरम्हा द्वे, चतुत्थदुतिये स्वेतं ततियपठमा

(घ) समास–कर्मधारय समास, द्वन्द्व समास की सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण

6–अनुवाद–हिन्दी के तीन वाक्यों का वर्तमान एवं भविष्यत् कालिक क्रिया में अनुवाद 05

अथवा

निबन्ध–पालि भाषा में छः सरल वाक्यों में किसी एक पर निबन्ध–

कुसीनारा, बोधगया, पालि भासा, राजा असोको, बुद्धधम्मो, इसिपतनं, यातायात–सुरक्खा

7–पालि साहित्य का इतिहास संक्षिप्त परिचय–– 05

द्वितीय संगीति, तृतीय संगीति, विनयपिटक एवं अभिधमपिटक के ग्रन्थ तथा इनका परिचय–

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें––

(I) पालि जातकावलि– पं0 बटुक नाथ शर्मा
प्रकाशक–मास्टर खेलाड़ी लाल एण्ड सन्स, वाराणसी।

(II) पद्य–धम्मपद– सम्पादित–धर्म भिक्षुरक्षित,
प्रकाशक–ज्ञानमण्डल, वाराणसी।

(III) सिगालवादसुत्तं– अनुवादक–डा0 भिक्षु स्वरूपानन्द, सम्यक् प्रकाशन दिल्ली, 2010

(IV) पालि साहित्य का इतिहास– लेखक–भिक्षु धर्मरक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।

(क) पालि व्याकरण– लेखक–भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक–ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।

(ख) मैनुअल आफ पालि– लेखक–सी0सी0 जोशी, ओरियन्टल बुक एजेन्सी, पूना।

शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन – (मौखिक अभिव्यक्ति आधारित परीक्षा) अगस्त माह 10 अंक

2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन –(रचनात्मक लेखन आधारित परीक्षा) दिसम्बर माह 10 अंक

3–तृतीय आन्तरिक मूल्यांकन–(चार यूनिट टेस्ट आधारित) 10 अंक

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) जुलाई द्वितीय सप्ताह 20 अंक

(10 अंक ग्रीष्मावकाश ग्रहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)

(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	अगस्त अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	नवम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक

नोटः–चारों यूनिट टेस्ट के प्राप्तांकों के योग को 10 अंक में परिवर्तित किया जाय।